चेतना

जैन शिक्षा समृद्धि

Jain Shiksha Samraddhi

जैन शिक्षा समृद्धि अध्ययन केन्द्रों की आंतरिक पत्रिका अगस्त, 2014

नये सत्र के अवसर पर

राष्ट्रीय अध्यक्ष का सन्देश विजय जैन

जैन शिक्षा समृद्धि संकल्पबद्ध है–

- **बच्चों की आत्मनिर्धारित सीमाओं के अवरोध तोड़ने को**
- **बच्चों में आत्म विश्वास विकसित करने को**
- **बच्चों की क्षमताओं को प्रोत्साहन देने को**

आप और हम अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाने का प्रयास कर रहे हैं परन्तु वे जो शिक्षा पा रहे हैं, उसमे निम्न परेशानी आ रही हैं–

- वे अपने विचारों को हिन्दी या अंग्रेजी मे व्यक्त करने में परेशानी का अनुभव करते हैं।
- गणित तथा विज्ञान विषय कठिन लगते हैं।
- पढ़ाई बोझ लगती है, अरुचिकर लगती है,

जिसके कारण पढ़ने मे आनन्द नही आता है।

इस कारण उनका जितना विकास होना चाहिए, नहीं हो पा रहा है। परिणामतः अच्छे स्कूलों में उच्च शिक्षा हेतु प्रवेश नहीं मिल पाता, प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन नहीं हो पाता। परस्पर वार्तालाप में विद्यार्थी के अच्छे संवाद का अभाव है। हम सभी बहुत चिन्तित हैं कि मध्यम वर्ग के समाज के विद्यार्थियों में क्रियाशील निपुणताओं की बहुत कमी है। वे संवाद करने, गणना करने, पढ़ने और लिखने में संधर्षरत रहते हैं। वे अपने ज्ञान का प्रयोग आधारभूत कार्यों हेतु नहीं कर पाते हैं। दुर्बल निपुणतायें स्वास्थ्य, भरोसा, खुशी और रोजगार परकता के लिए समझौता करती है।

खेल–खेल में पढ़ाई, विभिन्न Activity द्वारा बच्चों का मनोरंजन, स्वयं सोचने की प्रवृत्ति का विकास और आधुनिकतम तकनीकों से पढ़ाई सुरुचिपूर्ण एवं रोचक होगी, बच्चों में अधिक जानने की विचारने की मानसिक शक्ति का विकास होगा। इसी हेतु प्रतिदिन 2 घंटे जैन मंदिर जी मे Learning Center के माध्यम से कार्य कर रहे है।

बच्चों में जैन धर्मानुसार अनंत गुण हैं। आवश्यकता है उन्हें उजागर करने की, उनकी आत्म निर्धारित सीमाओं के अवरोध तोड़ने की, उनमें आत्म विश्वास विकसित करने की, उनकी क्षमताओं को प्रोत्साहित करने की, जिससे प्रत्येक बच्चा अपने जीवन मे उच्च से उच्चतम लक्ष्य को प्राप्त कर अपने जीवन मे एवं समाज मे समृद्धि प्राप्त कर सके, नये–नये कीर्तिमान स्थापित कर सके, अपना व अपने परिवार का तथा समाज का गौरव बढ़ा सके।

गत एक वर्ष का मूल्यांकन— प्रत्येक केन्द्र के बच्चों के प्राप्तांक न्यूनतम 90% हैं। कक्षा 5 तथा 8 के उत्तीर्ण बच्चों में से अनेक केन्द्रों के बच्चे नवोदय विद्यालय, ज्ञानोदय खुरई तथा प्रतिभा स्थली जबलपुर में मैरिट के आधार पर प्रवेश पाये हैं। Creative research system के system software survey के अनुसार केन्द्रों पर बच्चों द्वारा उच्च अनुपालन दर, उच्च संसाधनों का प्रयोग, बच्चों के दृष्टिकोण व शैक्षिक उपलब्धियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। अभिभावकों ने भी बच्चों में दृढ़ सकारात्मक बदलाव बतलाया है। परन्तु हम इससे भी आगे बढ़ने हेतु प्रयत्नशील हैं। इस वर्ष नये 3 केन्द्र सागर में ही स्थापित किये हैं।

अध्ययन केन्द्रों की गतिविधियां

JSS लर्निग सेंटर बडा जैन मंदिर बण्डा 15/08/2014, स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का

आयोजन, श्री 1008 महावीर हाई स्कूल बण्डा, में किया गया तथा बच्चो को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति प्रभा जैन चौधरी थी।

शाहगढ़ पंचायती मंदिर स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम 15.08.2014

केन्द्रीय पदाधिकारियों का भ्रमण— दिनांक 15–16–17 जुलाई 2014 तथा 6–7–8 अगस्त 2014 को केन्द्रीय पदाधिकारी राष्ट्रीय मंत्री श्री जवाहर लाल जैन तथा निदेशक श्री सुमत कुमार जैन ने विभिन्न अध्ययन केन्द्रों का सघन दौरा किया तथा समन्वयक एवं अध्यापिकाओं तथा क्लब पदाधिकारियों से मिलकर अध्ययन केन्द्रों की गतिविधियों की अद्यतन जानकारी ली तथा सुचारू संचालन हेतु सुझाव दिये।

सागर (सभी अध्ययन केन्द्र शिक्षिकायें) मुख्य समन्वयक श्रीमती क्रांति जैन निवास पर वार्ता करते हुए (17.08.2014)

बम्हौरी (07.08.2014)

बकस्वाहा (07.08.2014)

शाहगढ़ (पंचायती मंदिर तथा शान्ति विहार) 07.08.2014

प्रशिक्षण शिविर श्री सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि 23 अगस्त 2014 शनिवार :

श्री सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि पर 23 अगस्त 2014 शनिवार को जैन शिक्षा समृद्धि क्लब बड़ामलहरा के सौजन्य से आयोजित सभी अध्ययन केन्द्रों की शिक्षिकाओं एवं समन्वयकों का प्रदत्त प्रशिक्षण के नवीनीकरण द्वारा सशक्तीकरण किया गया। त्रिदिवसीय कार्यशाला का पुनरावृत्ति द्वारा नवीनीकरण श्री महेन्द्र कुमार जैन भगवां ने किया। IT प्रशिक्षण का नवीनीकरण श्री राकेश कुमार जैन बम्हौरी ने किया। English Speaking हेतु सेमीनार श्री संजय जैन बड़ामलहरा द्वारा प्रस्तुत की गई। गणित शिक्षण हेतु प्रशिक्षण गणित की किट द्वारा निदेशक श्री सुमत कुमार जैन ने किया। विषय का प्रवर्तन राष्ट्रीय मंत्री श्री जवाहर लाल जैन ने किया।

चिन्तन शिविर श्री सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि 24 अगस्त 2014 रविवार :

जैन शिक्षा समृद्धि अध्ययन केन्द्रों के क्लबों के पदाधिकारियों तथा अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों श्री कपूर चन्द्र जैन धुवारा– अध्यक्ष श्री सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि, श्री भागचन्द्र जैन– महामंत्री श्री सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि, सभी 11 स्थानों के मंदिर पदाधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय जैन की अध्यक्षता में तथा जिला न्यायाधीश छतरपुर श्री आदर्श कुमार जैन सपत्नीक के मुख्य आतिथ्य, डा0 विभा जैन दिल्ली वि0वि0 विशिष्ट अतिथि की उपस्थिति में अध्ययन केन्द्रों को और गतिशील करने तथा उनके सुचारु संचालन हेतु गहन चिन्तन शिविर प्रातः 9.30 बजे से आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश छतरपुर श्री आदर्श कुमार जैन, धर्मपत्नी मुख्य अतिथि श्रीमती साधना जैन श्री महेन्द्र कुमार जैन भगवां, श्री संजय कुमार जैन बड़ामलहरा, श्री राकेश कुमार जैन बम्हौरी का सम्मान शाल उढ़ाकर किया। डा0 विभा जैन, धर्मपत्नी मुख्य अतिथि एवं श्रीमती मीनू जैन देहली ने सभी केन्द्रों की समन्वयक तथा शिक्षिकाओं का प्रमाण पत्र आदि द्वारा सम्मान किया।

मुख्य अतिथि धर्मपत्नी श्रीमती साधना जैन दीप प्रज्वलन करते हुए JSS लर्निंग सेन्टर बड़ामलहरा द्वारा मंगलाचरण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय जैनउद्बोधन करते हुए

श्री महेन्द्र कुमार जैन भगवां का सम्मान करते हुए

श्री संजय जैन बड़ामलहरा का सम्मान करते हुए

मुख्य वक्ता डा0 विभा जैन दिल्ली वि0वि0

मुख्य अतिथि श्री आदर्श कुमार जैन जनपद न्यायाधीश

श्री महेन्द्र कुमार जैन भूसा बण्डा

केन्द्रों की समन्वयक एवं शिक्षिकाओं का सम्मान करते हुए

जैन शिक्षा समृद्धि के लिए सम्पादित एवं प्रकाशित– सुमत कुमार जैन, निदेशक– प्रचार–प्रसार

Jain Shiksha Samraddhi

Regd. Office : MK House X-25, Institutional Area, Karkardooma.Delhi_ 11092

Ahmedabad Office : 303, Campus Corner – 2, Opposite Prahlad Nagar Garden, Satellite, Ahmedabad – 380015.

Website : www.jainshikshasamraddhi.org

Registration No. : shahdara / society / 209 / 2013